रमञ्जूदरम् (१९५४८६) च स्टब्स्ट	प्रतिकृतिक स्थापना स्थापना । स्थापना स्थापना स्थापना ।	
्रिएक मुसलमान दुसरे मुसलमान का भाई है ।	अल-मुस्लिमु अखुल मुस्लिम ।	مُ أَلْمُسُلِمُ أَخُو اللَّمُسُلِمِ (ابوداؤد)
एक मुसलमान दुसरे मुसलमान का आईना है	अल-मुअभिनु मिर अ. तुल मुअ.मिन ।	اللُّمُوُّمِنُ مِرْأَةُ المُؤْمِن (البرادَد)
एक मुसलमान का दुसरे मुसलमान से जअल्लुक एक इमारत की तरह है।	अल-मुअमिनु लिल-मुअमिनि कलबुनयान ।	r الْمُؤُمِنُ لِلْمُؤْمِنِ كَالْكِنْيَانِ (بناري)
मोमिन को बुरा-भला कहना उस को कल्ल करने की तरह है।	लअनुल मुअभिनि क.कतिलही ।	الغنُ الْمُؤُمِن كَقَتُلِهِ (مَمْ)
अपने बीमारों की सदकह के ज़रीए दवा करों ।	दावू मरजाकुम बिस-स.द.कृह ।	ا ذاوُوُ امْرُضَاكُمْ بِالصَّدْ قَةِ (ابُوداوُد)
अच्छी बात करना नेकी हैं ।	अल-क.लि.म तुत तैथिय.व.तु.स.द.क्ह ।	٣ اَلْكَلِمَةُ الطِّيِّبَةُ صَدَقَةٌ (بَغارِي)
हर भलाई नेकी है ।	कुल्लु मअ. रूफिन.स.द.क्ह ।	٢ كُلُّ مَعُرُوفِ صَدَقَةٌ (بَارَى)
हर एक बिरअत (दीन में र्नड़ बात पैदा करना) गुमराही है	। कुल्लु बिदअतिन ज़लालह ।	٣ كُلُّ بِدُ عَةِ ضَلَا لَةٌ (ملم)
जो खामोश रहा उसने निजात पाई ।	मन-स.म.त.नजा ।	٣ مَنُ صَمَتَ نَجَا (رَندَى)
जिस ने बदज्वानी की उसने जुल्म किया ।	मम्ब.जा जफा ।	٣٠ مَنُ بُنَذَاجَفًا (منداحه)
खुश खुलको आधा दीन है ।	हुसनुल खुलुिक निसफुद्दीन ।	٣ كُسُنُ الْخُلُق نِصُفُ الدِّيُن (ويلي)
जो रहम नहीं करता उसपर रहम नहीं किया जाता।	मल.ला यर हमु ला युर.हम ।	٣١ مَنْ لَا يَرُحَمُ لَا يُرُحَمُ لا يُرْحَمُ (ملم)
माफ करना बड़ी दौलत है ।	खैयरूल मालिल अफवु ।	٣٢ خَيْرُ الْمَالِ الْعَفُو (ريلي)
वहतरीन दवा कुरआन शरीफ है ।	खैय रूद दवॉइ अल कुरआन ।	٣٨ خَيْرُ الدَّوَآءِ اَلْقُرُانِ (ابن اج)
लोगों में सब से बहतरीन शख्स वो है जो सब से ज्यादा लोगों को नफा पहुँचोंने वाला हो ।	खैय रूनासि अन.फ.उ.हुम लिन्नास ।	م خَيْرُ النَّاسِ أَنْفَعُهُمُ لِلنَّاسِ (دارتَطْنَ) مَا خَيْرُ النَّاسِ (دارتَطْنَ)
मो गुरूर करता है अल्लाह तआ़ला उसको गिरा देता है।	मँन त.कब्ब.र.व.ज्. अहुल्लाह ।	٢٧ مَنُ تَكَبَّرَ وَضَعَهُ اللَّهُ (ديلي)
ो अल्लाह तआला के वासते आजिज़ी इख्तियार हरता है अल्लाह तआला उस को बुलन्द करता है	मैंन तवा.ज्.अ. लिल्लाहि .र.फ. अहुल्लाह ।	٧ مَنُ تَوَاضَعَ لِلَّهِ رَفَعَهُ اللَّهُ (معباليان)
ज्यादह हँसी दिल को मुर्दह करदेती है।	कसरतुज् ज़िहिक तुमीतुल कल्ब ।	المَّرِينَ الْقَلْبُ (ويلي) كُثَرَةُ الْفِينِ حُكِ تُمِينُ الْقَلْبُ (ويلي)
च बात कहो अगर चेह वह कड़वी मालूम हो ।	कुलिल हक.क व इँन कान मुर्रा ।	٣٩ قُلِ الْحَقَّ وَانُ كَانَ مُرًّا (سام)
्ट रिज़्क को घटा देता है ।	अलिकज़बु यँन कुसुर रिष्क ।	٥٠ اَلْكِذُبُ يَتُقُصُ الرّزُق (سنام)
स्से से परहेज़ करो ।	इज तिनबुल ग.ज्ब ।	٥١ [جُتَنِبُو النَّغَضَبُ (اين الجالدين الترثي)
बत कत्ल से बढकर है ।	अल-गीबतु अशहु मिनल कत्ल ।	٥٢ اَلْغِيبَةُ اَشَدُّ مِنَ الْقَتُلِ (ريلي)
गल खोर जन्नत में दाखिल ना होगा ।	ला यदखुलुल जन्नत कत्तात ।	٥٣ لاَيَدُ خُلُ الْجَنَّةَ قَتًا تُ (عُوا)
ब्र के साथ (अल्लाह की) मदद होती है ।	अनसरू मअस सब्र ।	٥٦ اَلدَّصْرُ مَعَ الصَّدبُر (فطيب بغدادي)
मानत दारी इज्ज़त का सबब है ।	अल-अमानतु इज्ज्ञुन ।	۵۵ أَلُا مَانَةُ عِزِّ (ديكي)
दह कर्ज़ के बराबर है।	अल-इद्द्तु दैयनुन ।	٥٢ اَلْعِدَّةُ دَيُنَ (الإَقِيم)
नत सखी लोगों का घर है ।	अल-जन्नतु : दारूल असिखयाँइ ।	٥٤ اَلْحَتْةُ دَارُ الْأَسْخِيَآءِ (ابن مان)
नत में दाखिला ना होगा बखील (कन्जूस) ।	अश-शहीहु ला यदखुलुल जन्नह ।	٥٨ اَلشَّحِيْحُ لَايَدُ خُلُ الْجَنَّةَ (طران)
में भूका सोना कमज़ोर करता है।	तर.कुल अ शॉइ महरमह ।	٥٩ تَرُكُ الْعَشَآءِ مَهُرَ مَةٌ (ريلي)
। करोगे वैसा भरोगे ।	क.मा त.दीनु तुरानु ।	۲۰ گما تَدِينُ تُدَانُ (ابن سری)
वज़् (वज़् करकें) सोया करो ।	तवज्ज्.अ. चरकुद ।	الا تَوَضَّا وَارُقُدُ (چِل مدیث)
मन के झूटे में शिफा है	सुअ.रूल.मुअमिनि शिफाँउन ।	٢٢ سُورُ الْمُؤمِنِ شِفَآءٌ (جُمُل مديث)
मिन्दगी ही तौबह है .	अन-न.द.मु तौव.ब.तुन ।	ا المعور المعروبين المناجر المعادد مُ تَوْبَةٌ (المناجر)
ब तमाम गनाहों की जड़ है।	अल-खमरू जुम्माउल इस्म ।	النَّحْمُرُ كُمَّاعُ الْاثْمِ (الْمُحْمُرُ كُمَّاعُ الْاثْمِ (الْمُحْمُرُ كُمَّاعُ الْاثْمِ (الْمُحْمَرُ)